मूल्य 1 रु.
वर्ष: 14 - अंक : 76, मुंबई, सोमवार, 13 मई, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

एकनाथ खडसे का बड़ा ऐलान

बोले- 'मैं अब नहीं लड़ूंगा चुनाव'

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे ने ऐलान किया है कि वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव नहीं लड़ना चाहता। मैंने राजनीति से संन्यास नहीं लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है, लेकिन अब मैं चुनाव लड़ने का इच्छुक नहीं हूं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा, मैं चुनाव लड़ना नहीं चाहता। मैं पांच साल तक विधान परिषद का विधायक रहा हूं। शरद पवार ने कहा है कि हम दिया हुआ सामान वापस नहीं लेते। शरद पवार द्वारा मुझे आश्रय देने के बाद अगर दूसरे लोग मुझसे विधान परिषद से इस्तीफा मांग रहे हैं तो मेरा उनसे कोई लेना-देना नहीं है। मैं एक राजनीतिक व्यक्ति हूं। मैंने राजनीति से संन्यास नहीं लिया है। राजनीति में कुछ भी हो सकता है, लेकिन अब मैं चुनाव लड़ने का इच्छुक नहीं हूं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

राज्य सरकार के कामकाज से लोगों में नाराजगी

एकनाथ खडसे ने आगे कहा कि रावेर के चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही मैंने बीजेपी में शामिल होने का संकेत दिया था। चूंकि मैं बीजेपी में शामिल होने जा रहा हूं तो मुझे बीजेपी का प्रचार करना होगा, साथ ही रक्षा खडसे मेरी बहू हैं। मैं इन दोनों भूमिकाओं से बीजेपी के लिए प्रचार कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि खानदेश में माहौल पहले जैसा नहीं रहा। लेकिन ये माहौल इतना भी खराब नहीं है। लोग चाहते हैं कि मोदी प्रधानमंत्री बनें। लेकिन केंद्र की तुलना में राज्य सरकार के कामकाज से लोग असंतुष्ट हैं और यहां के किसान दुखी हैं।

प्रदीप शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

लखन भैया एनकाउंटर केस में नियमित जमानत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बहुचर्चित लखन भैया एनकाउंटर केस में पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को दोषी करार दिया था। शर्मा को इस केस में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस सजा के बाद शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में नियमित जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शर्मा को नियमित जमानत दे दी है। जिसे शर्मा के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। राम नारायण गुप्ता उर्फ लखन भैया को पुलिस ने 11 नवंबर 2006 को अंधेरी के सात बंगले में फर्जी मुठभेड़ में मार गिराया था। रामनारायण के वकील भाई एडवोकेट रामप्रसाद गुप्ता ने लगातार पैरवी के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में जांच के बाद मामला दर्ज किया गया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप पर ईडी का शिकंजा

53 करोड़ की संपत्ति कुर्क

निदेशकों ने एक ही फ्लैट कई खरीदारों को बेच दिया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप पर ईडी ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में ईडी ने पीएमएलए के तहत ग्रुप की नवी मुंबई में स्थित 52.73 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। दरअसल, मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप पर आरोप है कि उसने विज्ञापनों के जरिए नवी मुंबई में अपने कई प्रोजेक्ट्स के लिए बायर्स को आकर्षित किया और फिर उन्हें फ्लैट नहीं दिए। इसके लिए ग्रुप ने एक बड़ी बॉलीवुड अभिनेत्री को ब्रांड एंबेसडर बनाया था। कई निवेशकों ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायतों में उल्लेख किया था कि बॉलीवुड अभिनेत्री द्वारा मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप के प्रोजेक्ट्स का प्रचार देखने के बाद उन्होंने कंपनी में निवेश किया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अगर मोदी सरकार को नहीं हराया गया तो देखने पड़ेंगे 'काले दिन'

चुनाव के बीच उद्धव ठाकरे के बयान से मची हलचल

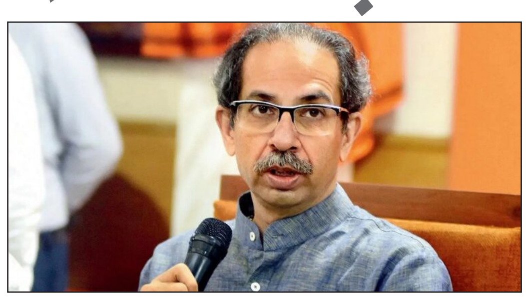

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि अगर मोदी सरकार को नहीं हराया गया तो देश को 'काले दिन' देखने पड़ेंगे। लोकसभा चुनाव के बारे में ठाकरे ने अपनी पार्टी के मुखपत्र 'सामना' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत के लोग अपने नेताओं के भविष्य का फैसला करेंगे। उन्होंने दावा किया, यदि मौजूदा सरकार को हराया जाता है तो देश का भविष्य शांतिपूर्ण होगा और लोकतंत्र फलेगा-फूलेगाअन्यथा देश को काले दिन देखने पड़ेंगे। अच्छे दिन कभी नहीं आए लेकिन काले दिन आ जाएंगे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अंपायर या एक खिलाड़ी?

निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसका काम लोकतंत्र के सबसे महत्त्वपूर्ण आयोजन- यानी चुनाव- को संपन्न कराना है। यह अपेक्षा वाजिब और सटीक है कि आयोग इस प्रक्रिया में निष्पक्ष रेफरी की भूमिका निभाए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को लिखा। निर्वाचन आयोग के व्यवहार की तरफ अन्य दलों का ध्यान उन्होंने खींचा। ताजा शिकायत इसको लेकर जताई कि निर्वाचन आयोग इस बार मतदान के बारे में पूरा विवरण जारी नहीं कर रहा है। प्रथम दो चरणों की वोटिंग से संबंधित मतदान प्रतिशत के बारे में अंतिम आंकड़े जारी करने उसने असामान्य देर की। जबकि अब तक के तीन चरणों के मतदान पर फॉर्म 17-सी के आंकड़ों का योग जारी नहीं किया गया है। इस फॉर्म में हर बूथ पर मौजूद मतदाताओं और उनमें से जितनों ने असल में वोट डाला, उसकी संख्या बताई जाती है। 2019 तक आयोग यह सूचना मतदान खत्म होने के बाद यथाशीघ्र जारी कर देता था। खड़गे ने अपनी चिट्ठी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक की। निर्वाचन आयोग इससे खफा हो गया। उसने उस पत्र का जवाब खड़गे को लिखा, जो कांग्रेस अध्यक्ष ने उसे नहीं भेजा था। आयोग ने पत्र टकराव वाली भाषा में लिखा। खड़गे ने जो सवाल उठाए हैं, उसके उसने तकनीकी उत्तर दिए और कांग्रेस अध्यक्ष पर आरोप मढ़ा कि वे आयोग एवं चुनाव प्रक्रिया की साख गिरा रहे हैं। आयोग का यह अजीब व्यवहार है। आयोग संवैधानिक संस्था है, जिसका काम लोकतंत्र के सबसे महत्त्वपूर्ण आयोजन- यानी चुनाव- को संपन्न कराना है। यह अपेक्षा वाजिब और सटीक है कि आयोग इस प्रक्रिया में निष्पक्ष रेफरी की भूमिका निभाए। विभिन्न दलों के बीच आपस में क्या संवाद हो रहा है, उसमें उसका प्रवेश अवांछित है। और अगर कुछ दलों में उसके किसी रुख से संदेह पैदा हो रहा हो, तो उसका कर्त्तव्य संदेह के कारणों का समाधान करना होना चाहिए। कहा जाता है कि प्रतिष्ठा कमाने की चीज होती है। सख्त रुख अपना कर किसी को इज्जत करने के लिए कोई मजबूर नहीं कर सकता। बेहतर होता कि आयोग मतदान संख्या से संबंधित शिकायत के साथ-साथ विपक्ष के इस सवाल का जवाब भी सार्वजनिक तौर पर देता कि छह अप्रैल के बाद से इन दलों ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ जो शिकायतें दर्ज कराई हैं, उन पर क्यों कोई कार्रवाई नहीं हुई है?

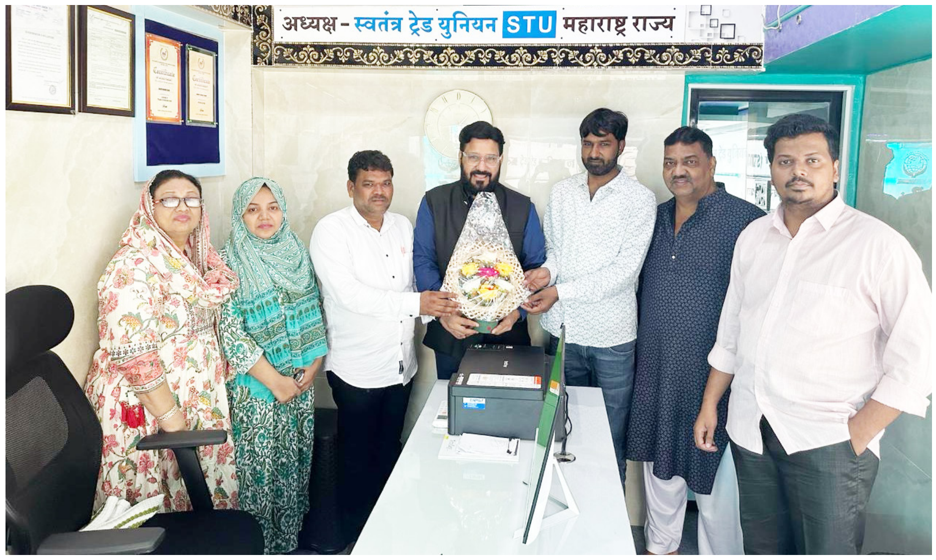

स्वतंत्रता ट्रेड यूनियन महाराष्ट्र जो मुस्लिम लीग पार्टी की शाखा है,जो मजदूर, हॉकर्स जैसे वर्कर्स के लिए काम करती है, उनके मुख्य कार्यालय में बैठक हुई, इस बैठक में STU के महाराष्ट्र अध्यक्ष मोहम्मद हारून ने IUML महराष्ट्र खजांची और महिला अध्यक्ष का स्वागत किया, इस मौके पर IUML के माजी नगर सेवक इमरान अशरफी साहब, MSF की राष्ट्रय उपाध्यक्ष फरहत शेख मौजूद थी, साथ ही ठाणे जिल्लाह अध्यक्ष अमीन शेख साहब, एडवोकेट अमीर शेख साहब मौजूद रहे।

चौथे चरण के मतदान पर विशेष

हे ! एक दिन के महाराजा, आश्वासन का पिटारा लीजिए और बदले में वोट दीजिए

मुंबई हलचल/संवाददाता

मतदाता अगर राजा ,महाराजा होता है तो मात्र एक (मतदान वाले) दिन का ही। समस्याओं से जूझने के मामले में बाकी दिन यानी अगला मतदान होने तक उसकी स्थिति दास से भी बदतर होती है।

\- - - - - - - - -

लोकसभा के लिए आज सोमवार को चौथे चरण का मतदान है। लेकिन सबसे ज्यादा वोट किस राजनीतिक दल के पक्ष में पड़ेगा। यह दावा स्पष्ट तौर पर नहीं किया जा सकता क्योंकि अधिकांश लोकसभा क्षेत्रों में मतदाताओं का रुख प्रत्याशियों के समझ से परे है। यही नहीं लोग प्रत्याशियों द्वारा वोट मांगे जाने की संदर्भ में उनकी नकल नाटकीयता का भी प्रदर्शन करने से नहीं चूकते। जिसके मुताबिक देश का हर मतदाता प्रत्याशियों के लिए एक दिन का महाराजा ही होता है। जिसे वह अपने आश्वासनों का पिटारा देने के बदले वोट के बल पर जीत हासिल करने के रूप में अगले चुनाव तक के लिए राजा बनना चाहते हैं।

कुल मिलाकर आज होने वाले चौथे चरण के मतदान के लिए जीत के इरादे से मतदाताओं को लुभाने की कोशिश किसी भी राजनीतिक दल ने नहीं छोड़ी है। इस लोकसभा चुनाव की शुरूआत से ही लगभग हर राजनीतिक दल द्वारा लोकलुभावन वादों का पिटारा हर बार की तरह इस बार भी खोला गया। लेकिन यहां मत हासिल करने के रूप मेंकितना सफल हो पाया है। इसका पता 4 जून को मतगणना के बाद ही चल पाएगा। हाल फिलहाल अब तक के तीन चरण की संपन्न हुए चुनाव में तो मतदाता खामोशी अख्तियार कर सभी का तमाशा देखने में व्यस्त दिखा।

प्रत्याशियों के चयन के बाद बीते माह से चुनाव प्रचार का शोर तो चारों ओर संसदीय क्षेत्र में जमकर दिखाई पड़ा, लेकिन मतदाताओं में ऐसा कोई रुझान नहीं दिखा ,जिससे कहा जा सके कि इस दल का प्रत्याशी जीत हासिल कर सकता है। संक्षेप में कहें तो मतदाताओं की खामोशी से प्रत्याशियों की धड़कने भी बढ़ी हुई हैं।

जहां तक प्रत्याशियों द्वारा जनता को भरोसा दिए जाने और मतदाताओं द्वारा उस पर यकीन किया जाने का सवाल है। मतदाताओं की नजर में सच्चाई यही है कि हर बार चुनाव के बाद मतदाता अपने को ठगा सा महसूस करता है और उसे समझ भी आ जाता है कि नेताओं के वादे उसे एक बार फिर बेवकूफ बनाने में सफल रहे लेकिन जब तक वह यह सच्चाई समझ पाता है ,तब तक कहानी बहुत आगे निकल चुकी होती है, क्योंकि चुनाव से पूर्व जो जनता अपने को राजा समझने की भूल कर बैठती है। चुनाव के बाद उसे ही या पता भी चल जाता है कि वह वास्तव में राजा नहीं बल्कि दास ही है। और अगर राजा है तो मात्र एक (मतदान वाले) दिन की ही। बाकी दिन मतलब अगला मतदान होने तक उसकी स्थिति दास से भी बेहतर होती है। लेकिन इस बार की मतदाताओं की खामोशी जिस आशय का संकेत देती है, उसके मुताबिक जागरूक और समझदार मतदाता अपनी तकदीर की इबारत ऐसी लिखना चाहते हैं कि वो चुनाव बाद अपने को बेवकूफ महसूस न कर सके। इसीलिए उन्होंने नेताओं का बारीकी से आंकलन करने के साथ ही खमोशी अख्तियार कर रखी है।

दरअसल कहा ऐसा भी जाता है कि दुनिया में लोगों को बेवकूफ बनाने वाले लोग मोटे तौर पर दो तरह के होते हैं। एक वे, जो यह जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं और लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। ये लोगों को जान-बूझकर इसलिए बेवकूफ बनाते हैं, क्योंकि उन्हें यह यकीन होता है कि लोगों के साथ ईमानदारी बरतने के बजाय उन्हें बेवकूफ बनाना ज्यादा फायदेमंद है। और शायद ऐसा करने वाले लोग ही आम तौर पर बहुत फायदे में रहते हैं। इसी क्रम में बेवकूफ बनाने वाले दूसरी तरह के लोग वे होते हैं, जो नहीं जानते कि वे लोगों का नुकसान कर रहे हैं। उन्हें गड्ढे में डाल रहे हैं। माना जाता है कि ऐसे लोग जनता को परोसे जाने वाले झूठ पर पूरी ईमानदारी से भरोसा करते हैं। माना जाता है कि ऐसे लोग आम तौर पर किसी चर्चित कथित बड़े नेता की छत्रछाया में दूसरे दरजे के नेता या तीसरे दरजे के समर्थक होते हैं। अगर किसी को भी यह पता है कि जब किसी तानाशाह को फांसी दी गई, तब वे मतलब दूसरे नंबर की बेवकूफ फांसी के तख्ते पर चढ़ते वक्त भी उस तानाशाह की जय बोल रहे थे।

दरअसल पहले किस्म के लोगों में विवेक का बहुत अभाव होता है जबकि चतुराई में बेजोड़ होते हैं। इसी तरह से दूसरे किस्म के लोगों में चतुराई और मूर्खता का एक घातक मिश्रण होता है, जिसे सूंघकर उनका विवेक बेहोश हो जाता है। ये दूसरों के साथ-साथ अपने भी पैरों पर कुल्हाड़ी मारते चलते हैं।

अंततः यही कहा जा सकता है कि यह चुनावी मौसम भी तरह-तरह के चतुर बुद्धिमानों और बेवकूफों लवरेज है। और यही बेवकूफी या बुद्धिमानी ही प्रत्याशियों की हार जीत का कारण बनेगी जिसके लिए 4 जून का इंतजार है, जिसके लिए बेवकूफ ही नहीं बुद्धिमान भी बेकरार है।

प्रस्तुति : सुनील बाजपेई

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

जलगांव व रावेर लोस क्षेत्र में अधिकारी-कर्मचारी चुनाव सामग्री के साथ मतदान केंद्र रवाना

जिले में बनाए गए 3886 मतदान केंद्र, जिले में कुल 38 लाख 15 हजार 796 मतदाता

मुंबई हलचल/ संवाददाता

जलगांव। लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए मतदान प्रक्रिया आज 13 मई को लेकर जलगांव व रावेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए होगी। उसी की पृष्ठभूमि में रविवार 12 मई को दोनों लोकसभा क्षेत्रों में विधानसभा क्षेत्र के अनुसार मतदान सामग्री व ईवीएम मशीनों का वितरण किया गया। दोपहर बाद मतदान कर्मी ईवीएम मशीन व सामग्री लेकर मतदान केंद्र के लिए रवाना हो गए। 13 तारीख को सुबह 7 बजे से जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। जलगांव जिले के दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में 3886 मतदान केंद्र बनाए गए है। जबकि जलगांव लोकसभा क्षेत्र में 1982 मतदान केंद्र हैं व रावेर लोकसभा क्षेत्र में 1904 मतदान बनाए गए है। जानकारी के अनुसार जिले में कुल 21 दिव्यांग मतदाता केंद्र बनाये गये हैं। इसलिए 33 महिला मतदान केंद्र बनाये शामिल है। जिले में कुल 11 युवा मतदान केंद्र एवं 55 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए है। जिसके लिए 17 हजार कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान ड्यूटी के लिए 17 हजार 821 महिला-पुरुष कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। इनमें मतदान केंद्र प्रमुख पुरुष 4267, मतदान केंद्र प्रमुख महिला 46 कुल 4313, प्रथम मतदान अधिकारी पुरुष 4267 प्रथम मतदान अधिकारी महिला 46 कुल 4314, अन्य मतदान अधिकारी पुरुष 4234, अन्य मतदान अधिकारी महिला 79 कुल 4313 ओपीओ 2 पुरुष 375 महिला 4561 ए मतदान ड्यूटी के लिए कुल 17 हजार 821 कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से 4936 और 2277

आरक्षित हैं। चुनाव के लिए 1593 वाहन सुविधा का भी प्रबंध है। नियुक्त कर्मचारियों एवं मतदान सामग्री को मतदान केन्द्र तक पहुंचाने के लिए जिले में 1593 वाहन उपलब्ध कराये गये थे। जब्त किए गए वाहनों में 392 एसटी बसें, मिनी बस 12, जीप 23, टेंपो 14 सीटर 8, टेंपो 20 सीटर 11, क्रूजर 475, स्कूल बस 70, एसओ जीप 416, ईवीएम परिवहन वाहन 66, कोड उल्लंघन कक्ष वाहन 66, कुल 66 आरक्षित वाहनों सहित 1593 वाहन उपलब्ध कराए गए। 3886 वोटिंग मशीनें भेजी गई है। आज सोमवार 13 मई को होने वाली मतदान प्रक्रिया के लिए रविवार को 3886 वोटिंग मशीनें और वीवी पैट मशीनें वाहनों की सहायता से निर्वाचन विभाग द्वारा निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचाई गई है। इसके साथ ही किसी भी तकनीकी दिक्कत से निपटने के लिए रिजर्व वोटिंग मशीनें भी उपलब्ध कराई गई हैं। जिले में 38 लाख 15 हजार 796 मतदाता जलगांव व रावेर दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में जिले में 38 लाख 15 हजार 796 मतदाता हैं। जलगांव लोकसभा क्षेत्र में 19 लाख 94 हजार 46 मतदाता पंजीकृत हैं। इसमें 1 लाख 37 हजार 350 पुरुष मतदाता, 9 लाख 56 हजार 611 महिला मतदाता और 85 थर्ड पार्टी मतदाता पंजीकृत हैं। जबकि रावेर लोकसभा क्षेत्र में 18 लाख 21 हजार 750 मतदाता पंजीकृत हैं। इसमें 9 लाख 41 हजार 732 पुरुष मतदाता और 8 लाख 79 हजार 964 महिला मतदाता पंजीकृत हैं। 54 तृतीय पक्ष मतदाता पंजीकृत किए गए हैं।

बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात

लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया को देखते हुए जिले में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इनमें 01 पुलिस अधीक्षक, 02 अपर पुलिस अधीक्षक, 09 पुलिस उपाधीक्षक, 31 पुलिस अधीक्षक निरीक्षक, 119 सहायक/उपनिरीक्षक, जिला प्रवर्तक 2550, बाहरी जिला प्रवर्तक 2360, बीएसएफ 01 कंपनी, 02 एसआरपीएफ प्लाटून, 02 सीआरपीएफ प्लाटून, 3085 होम गार्ड तैनात किए गए हैं। इसके अलावा राज्य के बाहर से भी तीन पुलिस कंपनियां जिले में मौजूद रहेगी। इसमें केरल की 2 और कर्नाटक की 1 कंपनी ने एंट्री की है।

मतदान केन्द्रों पर मोबाइल फोन वर्जित है

जिले के जलगांव और रावेर दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ियां, कार्डलेस फोन, वायरलेस सेट सहित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के उपयोग और कब्जे पर प्रतिबंध है। मतदान करने आने वाले मतदाताओं को मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। इसलिए समूह में मतदान करने जा रहे मतदाताओं को मोबाइल मतदान केंद्र के बाहर रखना होगा या फिर एक दूसरे का ख्याल रखना होगा।

सभी सुविधाओं से परिपूर्ण होगा मतदान केंद्र

मतदान करने आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जिले में बनाये गये 3886 मतदान केंद्रों को उत्तम सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इसमें पीने का पानी, धूप से बचने के लिए मंडप या शेड, मतदाता सहायता केंद्र, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी और बाल देखभाल केंद्र सहित सभी प्रकार की पूरक सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

नागरिकों को निर्भीक होकर मतदान करना चाहिए

जलगांव और रावेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आज 13 मई को मतदान होगा। जिले के नागरिकों को बिना किसी के बहकावे में आए निर्भीक होकर मतदान के लिए निकलना चाहिए। प्रशासन ने मतदान केंद्र पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई है। साथ ही जिले में मतदान प्रक्रिया को भयमुक्त तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने हर तरह की सतर्कता बरती है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आयुष प्रसाद ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने अधिकारों का प्रयोग करें और लोकतंत्र के इस सबसे बड़े उत्सव में भाग लेकर मतदान प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए।

इत्तेहाद ए मिल्लत कॉन्सिल के प्रदेश संगठन प्रभारी नदीम कुरैशी का धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

मुंबई हलचल/संवाददाता

उत्तर प्रदेश बरेली, इत्तेहाद ए मिल्लत कॉन्सिल उत्तर प्रदेश के संगठन प्रभारी नदीम कुरैशी का बरेली व अन्य जिलों मे जन्मदिन धूमधाम से उनके साथियो एवं दोस्तों ने मनाया। इस मौके पर नदीम कुरैशी ने कहा पिछले कई वर्षों से मेरे अजीज दोस्त और मुझसे जुड़े साथी मेरा जन्मदिन बड़े उत्साह से मनाते हैं और सोशल मिडिया के जरिये हजारो लोग मुझे मुबारक देते हैं मैं आप सभी का दिल की गहराईयों से शुक्रिया अदा करता हूँ और दुआ करता हूँ अल्लाह आप सब का प्यार और मोहब्बत मेरे लिये हमेशा ऐसे ही बनाये रखे।

अमोल कीर्तिकर द्वारा किया गया जोगेश्वरी विधानसभा केंद्रीय कार्यालय क्रमांक 2 का उद्घाटन

मुंबई हलचल/ संवाददाता

मुंबई। 27 जोगेश्वरी विधानसभा मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र के महाविकास अघाड़ी उम्मीदवार के प्रचार के लिए जोगेश्वरी पूर्व के ईदगा मैदान, जोगेश्वरी विधानसभा के केंद्रीय कार्यालय नंबर 2 का उद्घाटन विधायक श्री सुनील प्रभु ने किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस पार्टी के महासचिव श्री राजेश शर्मा, कांग्रेस मुंबई प्रदेश आदिवासी समाज के अध्यक्ष सुनील कुमरे, पूर्व नगरसेवक शैलेश परब, सभा आयोजक विश्वनाथ सावंत आदि बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप पर ईडी का शिकंजा

ईडी ने मेसर्स मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप, गोपाल अमरलाल ठाकुर, हसमुख अमरलाल ठाकुर और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं के तहत महाराष्ट्र पुलिस में दर्ज मामलों की जांच की। आरोप है कि बिल्डर ग्रुप ने फ्लैट खरीदारों के पैसे लेकर रजिस्ट्री नहीं कराई। इसके चलते शिकायत के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस ने बिल्डर कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं। इन्हीं की जांच अब ईडी कर रही है। ईडी की जांच से पता चला है कि गोपाल अमरलाल ठाकुर ने बड़ी मात्रा में निवेशकों के पैसे को अपनी विभिन्न सहयोगी संस्थाओं में ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने निवेशकों के पैसे को बड़ी चालाकी से नवी मुंबई के विभिन्न बिल्डरों जैसे मेसर्स बाबा होम्स, मेसर्स लखानी बिल्डर्स प्रा. लिमिटेड, मैसर्स मोनार्क सॉलिटेयर एलएलपी और अन्य में ट्रांसफर कर दिया। इस पूरे मनी ट्रेल का खुलासा ईडी की जांच में हुआ है। ईडी के मुताबिक मोनार्क ग्रुप और उसके निदेशकों ने एक ही फ्लैट कई खरीदारों को बेच दिया।

एकनाथ खडसे का बड़ा ऐलान

बीजेपी की घर वापसी को लेकर एकनाथ खडसे ने कहा कि बीजेपी के केंद्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने स्पष्ट रुख बना लिया है कि नाथाभाऊ बीजेपी में शामिल होंगे। इसलिए मैं इस बारे में आश्वस्त हूं। कुछ लोग मेरे बीजेपी में आने से नाखुश थे। इतने सालों तक साथ काम किया। तो सब तारीफ नहीं करेंगे। कुछ लोगों को ठेस पहुंचती है, उनकी नाराजगी का नतीजा इस तरह (पार्टी में प्रवेश) जैसी चीजों के रूप में सामने आता है। जब एकनाथ खडसे से पूछा गया कि गिरीश महाजन, गुलाबराव पाटिल, देवेंद्र फडणवीस आपकी पार्टी में प्रवेश के विरोध में थे तो उन्होंने कहा कि अब कोई मेरे भाजपा में शामिल होने के विरोध में नहीं हैं। मूलतः कोई विरोध था ही नहीं, उनमें नाराजगी थी, लेकिन अब वो नाराजगी दूर हो गई है। मुलाकात के दौरान एकनाथ खडसे ने कहा कि जब मैंने बीजेपी में शामिल होने का फैसला किया तो मैंने रोहिणी से भी कहा कि वह मेरे साथ बीजेपी में शामिल हो जाएं। लेकिन, रोहिणी ने कहा कि वह शरद पवार के साथ रहना चाहती हैं।

प्रदीप शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

इस मामले में सेशन कोर्ट ने 11 पुलिसकर्मियों समेत 21 लोगों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। जबकि प्रदीप शर्मा को बरी कर दिया गया। रामप्रसाद गुप्ता और राज्य सरकार ने भी शर्मा को बरी करने के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी। जबकि 11 पुलिसकर्मियों ने उम्रकैद की सजा के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की थी।

अगर मोदी सरकार को नहीं हराया गया तो देखने पड़ेंगे 'काले दिन'

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भ्रष्टाचारियों का संरक्षण ही मोदी की गारंटी है। उन्होंने दावा किया कि अन्य सभी राजनीतिक दलों और देश को भ्रष्ट लोगों से मुक्त किया जा रहा है क्योंकि भाजपा ने उन्हें अपने पाले में शामिल करके सुरक्षा का आश्वासन दिया है। ठाकरे ने कहा, भाजपा सभी भ्रष्ट लोगों को 'वैक्यूम क्लीनर' की तरह शामिल कर रही है जो सभी धूल और गंदगी को सोख लेता है। कांग्रेस, शिवसेना और पूरा देश भ्रष्ट लोगों से मुक्त हो गया है।

खबर संक्षेप

गतिरोध खत्म होते ही क्रू सदस्य भी काम पर लौटे

नई दिल्ली। एयर इंडिया से यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। एयर इंडिया अब अपनी उड़ानें फिर

से बहाल कर रही है। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी नेटवर्क को फिर से स्थिर कर रही है। केबिन क्रू यूनियन ने बताया कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्य ड्यूटी पर शामिल हो गए हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

चांदनी चौक के किनारी बाजार की दुकान में आग

नी दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके के किनारी बाजारी में स्थित एक दुकान में रविवार की

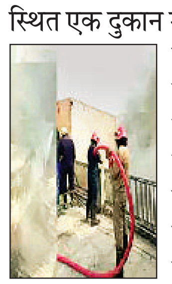

दोपहर आग लग गई। आग बुझाने के लिए मशक्त करनी पड़ी। दोपहर करीब एक बजे फायर ब्रिगेड के कर्मियो को घटना की जानकारी मिली। इसके बाद मौके पर बारी-बारी से दमकल की 13 गाड़ियां पहुंच गईं। राहत की बात है किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

ईडी ने झारखंड के मंत्री आलम को कल बुलाया

रांची। ईडी ने रविवार को कांग्रेस विधायक और झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम को समन जारी

किया है। ईडी ने रांची स्थित ऑफिस में उन्हें 14 मई को पूछताछ के लिए बुलाया है। आलम के निजी सचिव के आवास से करोड़ों रुपए की बरामदगी के मामले में मंत्री को तलब किया गया है।पीए संजीव लाल के नौकर जहांगीर के ठिकानों से 35 करोड़ रुपए मिले थे।

बदला मौसम : रायपुर में सुबह गर्मी, शाम को छाए बादल बरस गए

देश के कई राज्यों में आंधी और बारिश का कहर, बिहार में गाज गिरने से 11 लोगों की मौत

दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में हल्की बारिश

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज काफी बिगड़ा हुआ नजर आ रहा है। रविवार को दिल्ली-एनसीआर, छत्तीसगढ़, बिहार, राजस्थान, पंजाब समेत देश के कई हिस्सों में धूल भरी आंधी और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हुई। झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और तमिलनाडु में भी गरज के साथ मध्यम बारिश हुई। जयपुर सहित राजस्थान के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई।सर्वाधिक बारिश राजस्थान में हुई। बिहार में गाज गिरने से 11 के मौत की खबर है।

आज कैसा रहेगा मौसम

- छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश में बिजली गिरने का अनुमान
- मौसम विभाग के अनुसार, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना में हो सकती है भारी बारिश
- दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में धूलभरी आंधी चलेगी। 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

इन राज्यों में ऐसा अनुमान

मौसम विभाग ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और कर्नाटक में तेज बारिश की संभावना जताई है। वहीं, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, केरल, कर्नाटक, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी हल्की बारिश होगी। यहां धूलभरी आंधी भी चलेगी।

उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश में द्रोणिका का प्रभाव रहा

उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश के ऊपर बनी अलग-अलग द्रोणिका के प्रभाव से मौसम में फिर बदलाव हो गया है। पिछले दो दिनों से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अंधड़ चलने और हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। मौसम में हुए बदलाव की वजह से तापमान में एक बार फिर गिरावट आ गई है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि पिछले दो दिन से राज्य के अलग-अलग हिस्से में मौसम बदल रहा है। इसकी वजह से तेज गर्मी अपना असर नहीं दिखा पा रही है। उत्तरी हिस्से से शुरु हुई वर्षा की गतिविधि मध्य तथा बस्तर को भी प्रभावित करेगी। रविवार को राजधानी सहित आसपास के इलाकों में बारिश हुई। अगले चौबीस घंटे में शहर के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की संभावना है।

संदेशखाली केस ने पकड़ा तूल

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष और भाजपा के खिलाफ ईसी पहुंची टीएमसी

नई दिल्ली। चौथे चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले टीएमसी ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा और पियाली दास सहित भाजपा नेताओं के खिलाफ संदेशखाली मामले को लेकर शिकायत दर्ज करवाई है।

टीएमसी ने 'संदेशखाली की निर्दोष महिलाओं पर दबाव बनाकर जालसाजी, धोखाधड़ी, धमकी और आपराधिक साजिश के गंभीर अपराध दर्ज कराने' के सिलसिले में क्रिमिनल कार्रवाई करने की मांग की है। महिलाओं ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने उन्हें धोखा दिया है।

शशि पांजा ने लगाए थे ये आरोप

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने ही संदेशखाली की महिलाओं पर कथित हिंसा और अत्याचार को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी। बीते दिनों पश्चिम बंगाल के मंत्री और पार्टी प्रवक्ता शशि पांजा ने आरोप लगाया था कि संदेशखालि से जुड़े आरोपों को लेकर एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने 'राजनीतिक पूर्वाग्रह' के तहत कार्य किया और वहां कि निर्दोष महिलाओं को यौन अत्याचार के झूठे आरोप लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। टीएमसी ने कई आरोप लगाए थे।

नमन नमन नमन

'पापा आपको मेरा नमन'

मेरे पापा की बारहवीं पुण्यतिथि है, लेकिन हर घड़ी हर पल ऐसा लगता है जैसे वह यही है, हमारे आस पास महसूस होते हैं। वह मेरे हीरो थे और आज भी हैं, मेरी हर समस्या का समाधान उनके पास था, और आज भी जब मुझे किसी समस्या का हल नहीं मिलता तो मैं उनकी तस्वीर के आगे खड़ी होकर उनसे पूछ लेती हूं, और मुझे जवाब मिल जाता है। सही मायने में तो सुरक्षा, विश्वास, शक्ति, संबल और स्नेह आदि शब्द मिलकर पिता के स्वरूप को गढ़ते हैं, पिता हर किसी के जीवन में उसे वट वृक्ष की तरह होता है जो स्वयं दुनिया की धूप में तप कर हमें छाया देता हैं। मां का प्यार तो हमें नजर आता है पर पिता का प्यार इतना गहरा होता हैं कि उसे दिमाग से ही नहीं सिर्फ और सिर्फ दिल से ही महसूस किया जा सकता है। मां को तो हमने छोटी उम्र में खो दिया था इसलिए पापा ही हम भाई बहनों के माता और पिता दोनों थे। उन्होंने हर कदम हमारा हौसला बढ़ाया, आत्मविश्वास जगाया और आगे बढ़ने को प्रेरित किया। यह मेरा सौभाग्य है कि माता-पिता की सूरत और सीरत दोनों ही मुझे विरासत में मिली है। वह पापा की ही प्रेरणा थी,

जिससे मैं लेखन कार्य में भी आगे बढ़ सकी और समाज सेवा से जुड़ सकी। मेरी हर बात को ध्यान से सुनते मेरे हर कार्य को सहारते , सही गलत का फर्क बताते। पापा के अंदर बहुत समता थी, हिम्मत थी अपनी सभी बीमारियों का उन्होंने डटकर मुकाबला किया और आखिरी दिनों तक ऑफिस गए। देव गुरु और धर्म के प्रति उनकी आस्था गजब की थी। उनके बारे में लिखूं तो लिखती ही जाऊं। उनके जाने के बाद 'बाबुल' पुस्तक मैंने उन्हें श्रद्धांजलि सुमन के रूप में उनके चरणों में अर्पित की। पापा आपको मेरा नमन जब-जब जन्म मिले आप ही पिता स्वरूप मिले।

हॉट सीट हैदराबादः दिलचस्प चुनावी जंग में ओवैसी का सियासी किला दरकाने में जुटी

कांग्रेस और बीआरएस ने भी एआईएमआईएम की राह में बिछाए कांटे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट पर सबकी नजरे लगी है। दक्षिण भारत में अपनी पार्टी का विस्तार करने के लक्ष्य में भाजपा का हैदराबाद पर विशेष फोकस है, जहां चार दशक से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम यानी ओवैसी खानदान काबिज है।

इस सीट पर लगातार चार जीत हासिल करने वाले ओवैसी 5वीं बार लोकसभा पहुंचने की तैयारी में है, लेकिन इस बार यहां भाजपा, कांग्रेस और बीआरस ने घेराबंदी करके उनके सामने कड़ी चुनौती पेश कर दी है। इस बार भाजपा ने महिला प्रत्याशी के रूप में फायर ब्रांड एवं प्रसिद्ध नृत्यांगना माधवी लता को पर बड़ा दांव खेला है। कांग्रेस ने मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर ओवैसी के सामने कांटे बिखेर दिए हैं। तेलंगाना के प्रमुख दल बीआरएस ने भी यहां मजबूत प्रत्याशी उतारकर लोकसभा के चुनावी मुकाबले को चतुष्कोणीय समीकरण में धकेल दिया है। ओवैसी खानदान का सियासी गढ़ दरकता नजर आ रहा है।

तेलंगाना के 17 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक हैदराबाद सीट पर सोमवार को चुनाव होगा। इनमें गोशामहल विधानसभा सीट पर ही भाजपा का विधायक हैं, जबकि बाकी छह सीटो पर एआईएमआईएम के निर्वाचित विधायक हैं। ओवैसी को चुनौती देने भाजपा ने भारतनाट्यम की प्रसिद्ध नृत्यांगना माधवी लता को चुनावी जंग में उतारा है, कांग्रेस के मोहम्मद वलीउल्लाह समीर और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के गद्दाम श्रीनिवास यादव हैं। माना जा रहा है कि हैदराबाद सीट पर 60 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता होने के बावजूद ओवैसी के सामने इस बार कड़ी चुनौती पेश आ रही है, इसका कारण भी साफ है कि तेलंगाना में एआईएमआईएम से दोस्ती का बखान करने वाली कांग्रेस ने मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर मुस्लिम मतों में विभाजन के हालात पैदा कर दिये, जिसका लाभ सीधे भाजपा को मिलने की उम्मीद है।

असदुद्दीन ओवैसी

गद्दाम श्रीनिवास

मोहम्मद वलीउल्लाह

माधवी लता

इन दिग्गजों के बीच चुनावी जंग

तेलंगाना की हैदराबाद सीट पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने भारतनाट्यम की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना कोम्पेला माधवी लता, कांग्रेस ने पार्टी के जिलाध्यक्ष मोहम्मद वलीउल्लाह समीर और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने शिक्षाविद् गद्दाम श्रीनिवास यादव को अपना उम्मीदवार बनाया हैं।

ये जातीय समीकरण

तेलंगाना में वैसे तो 85 फीसदी से ज्यादा हिंदू धर्म है, जिसमें सबसे ज्यादा ओबीसी वर्ग की जातियां हैं। 65 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं। हैदराबाद शहर में 64.93 मुस्लिम, 2.75 प्रतिशत ईसाई, 0.29 प्रतिशत जैन, 0.25 प्रतिशत सिख हैं।

सांसद चुनेंगे 2,217,094 वोटर

तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट के लिए 13 मई को होने वाले चुनाव में एआईएमआई,भाजपा, कांग्रेस, बीआरएस, बसपा और अन्य दलों समेत कुल 30 प्रत्याशी चुनावी जंग में कूदे हुए हैं। इन प्रत्याशियों के सामने 2,217,094 मतदाताओं का चक्रव्यूह बना हुआ है, जिसमें 1,125,310 पुरुष, 1,091,587 महिला और 107 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस सीट पर चुनाव आयोग ने 129 से अधिक दिव्यांगो ओर 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के वोटिंग उनके घर जाकर कराने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान हैदराबाद लोकसभा सीट पर 10,12,522 पुरुष और 9,45,277 महिला तथा 132 मतदाता समेत 19,57,931 मतदाता थे।

गलवान में भारत-चीनी सैनिकों की झड़प के बाद दोनों देशों के संबंध बुरे दौर से गुजर रहे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

गलवान घाटी में भारत और चीनी सैनिकों की झड़प के बाद से दोनों देशों के संबंध बुरे दौर से गुजर रहे हैं। सैन्य गतिरोध के बाद से दोनों देशों में कई बार शांति वार्ता हुई लेकिन उसका कोई हल नहीं निकल पाया। अब चीन के साथ संबंधों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान सामने आया है। लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीनी सैनिकों की झड़प के बाद से दोनों देशों के संबंध बुरे दौर से गुजर रहे हैं। सैन्य गतिरोध के बाद से दोनों देशों में कई बार शांति वार्ता हुई, लेकिन उसका कोई हल नहीं निकल पाया।

सीमा पर शांति से ही सुधरेंगे संबंध

जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ हम सभी शेष मुद्दों के समाधान की उम्मीद करते हैं और इस बात पर जोर दिया कि सामान्य द्विपक्षीय संबंधों की वापसी सीमा पर शांति पर ही निर्भर करती है। गश्ती अधिकार और गश्ती क्षमता भी इसमें शामिल है।

चीन से फिलहाल सामान्य नहीं रिश्ते

जयशंकर ने आगे कहा कि चीन के साथ हमारे रिश्ते सामान्य नहीं हैं क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में शांति भंग हो गई है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का साफ कहना है कि चीनी पक्ष को यह एहसास होना चाहिए कि मौजूदा स्थिति उसके हित में नहीं है।मोदी ने कहा था कि सीमा की स्थिति पर तत्काल बातचीत करने की जरूरत है और भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। जयशंकर ने कहा कि कूटनीति धैर्य का काम है और भारत चीनी पक्ष के साथ मुद्दों पर चर्चा करता रहता है। उन्होंने गुरुवार को साक्षात्कार के दौरान कहा कि मैं कहूंगा कि अगर रिश्ते को सामान्य बनाना है तो हमें सभी मुद्दों को हल करने की जरूरत है।

पीएम के बयान पर बोले जयशंकर *बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर विवाद पर पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि उन्होंने इस मामले पर केवल एक बड़ा दृष्टिकोण प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि भारत को उम्मीद है कि चीन के साथ सभी मुद्दों पर समाधान हो जाएगा।*

उत्तरकाशी में प्रशासन का आधा-अधूरा काम बन रहा फजीहत, 24 घंटे जाम में फंसे रहे नौ हजार से अधिक तीर्थयात्री

मुंबई हलचल/संवाददाता

उत्तरकाशी। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम की यात्रा व्यवस्था कपाट खुलने के तीसरे दिन भी पटरी पर नहीं आ सकी। दोनों धाम जाने वाले नौ हजार से अधिक श्रद्धालु उत्तरकाशी में बड़कोट से जानकीचट्टी के बीच 24 घंटे तक जाम में फंसे रहे। श्रद्धालुओं को पूरी रात अपने वाहनों में या खुले आसमान के नीचे गुजारनी पड़ी। अधिकांश श्रद्धालुओं के पास भूख मिटाने के लिए बिस्किट और पानी को छोड़कर कोई अन्य विकल्प नहीं था। इस अव्यवस्था का असर रविवार को देहरादून से लेकर ऋषिकेश और हरिद्वार तक दिखा। इस बीच जाम की स्थिति को देखते हुए सुबह प्रशासन की तरफ से श्रद्धालुओं से यात्रा स्थगित करने की अपील की गई। विभिन्न स्थानों और पड़ावों पर श्रद्धालुओं को रोक दिया गया, इसको लेकर उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई। उत्तरकाशी में चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले किया गया प्रशासन का आधा-अधूरा होमवर्क तीर्थ यात्रियों के लिए मुसीबत बन गया है। न तो धामों को जाने वाले राजमार्गों का चौड़ीकरण कराया गया और न यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग ही दुरुस्त है। पार्किंग सहित अन्य संसाधनों को भी आवश्यकता अनुरूप विकसित नहीं किया गया। इसी का नतीजा रहा कि यात्रा के पहले दिन ही व्यवस्था लड़खड़ा गई। बड़कोट से जानकीचट्टी के बीच शनिवार को पूरा दिन और फिर रात में भी तीर्थयात्री जाम में फंसे रहे। पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी भी देर रात से लेकर सुबह तक

जाम खुलवाने में जुटे रहे। जब हालात नहीं संभले तो रविवार सुबह उत्तरकाशी पुलिस ने तीर्थ यात्रियों से यमुनोत्री धाम की यात्रा एक दिन के लिए स्थगित रखने की अपील की। साथ ही हालात को नियंत्रित करने के लिए यमुनोत्री जाने वाले तीर्थ यात्रियों के वाहनों को हरिद्वार, विकासनगर, बड़कोट, डामटा के पास रोक दिया। जो तीर्थयात्री बनीगाड़ तक पहुंच गए थे, उन्हें धारी कफनोल और राडी टाप होते हुए गंगोत्री की ओर भेजा गया। बनीगाड़ से कुथनौर तक दिनभर जीरो जोन जैसी स्थिति रही। इसके बाद यमुनोत्री पैदल मार्ग और जानकीचट्टी में हालात नियंत्रित होते दिखे। वहीं, कुथनौर से पालीगाड़ के बीच पांच हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को जानकीचट्टी की ओर रवाना होने के लिए सात घंटे इंतजार करना पड़ा। पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि रविवार सुबह करीब नौ हजार तीर्थयात्री जानकीचट्टी व यमुनोत्री धाम पहुंच चुके थे। धाम की क्षमता को देखते हुए तीर्थ यात्रियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, विकासनगर, उत्तरकाशी या अन्य किसी पड़ाव पर ही रुकने के लिए कहा गया है। आकोला (मध्य प्रदेश) से यमुनोत्री धाम आए तीर्थयात्री विशाल ने बताया कि शनिवार रात से परेशान हूं। रात को सड़क पर ही सोना पड़ा। बड़कोट से पालीगाड़ के बीच यातायात पूरी तरह से जाम है। न तो पीने के लिए पानी है और न आसपास कोई दुकान ही। हिमाचल प्रदेश के सिरमोर निवासी रामेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि उन्हें भी रातभर खुले में सोना पड़ा। प्रशासन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं की गई। वह तो शुक्र रहा कि वाहन में उनके पास खाने का सामान और पानी था। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की नाकामी है।

बीते वित्त वर्ष 2023-24 के लिए बंफर मुनाफा दर्ज

आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने कमाया 81,000 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड मुनाफा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों...इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) ने बीते वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 81,000 करोड़ रुपये का बंपर मुनाफा दर्ज किया है।

तेल-संकट के पूर्व के वर्षों की उनकी सालाना कमाई से कहीं अधिक है। अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के दौरान आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल का सामूहिक रूप से एकल शुद्ध लाभ तेल संकट से पहले के वर्षों में उनकी 39,356 करोड़ रुपये की वार्षिक कमाई से बेहतर रहा है।

कंपनियों ने शेयर बाजार को दी जानकारी

इन कंपनियों ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। तीनों कंपनियों ने 2023-24 में एकल और एकीकृत आधार पर अपना सबसे ऊंचा मुनाफा कमाया है।शेयर बाजारों को दी गई जानकारी के अनुसार, आईओसी ने 2023-24 में 39,618.84 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है।

पहले की तुलना में मुनाफा बेहतर रहा

आईओसी ने इसकी तुलना में 2022-23 में उसका एकल शुद्ध लाभ 8,241.82 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, कंपनी यह दलील दे सकती है कि 2022-23 का उसका नतीजा तेल संकट से प्रभावित हुआ था। लेकिन संकट से पहले के वर्षों से तुलना की जाए, तो भी कंपनी का मुनाफा बेहतर रहा है।

ऊर्जा बदलाव के लिए 15 हजार करोड़ दिए गए

वित्त वर्ष 2022-23 में हुए नुकसान की वजह से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023-24 के बजट में आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को उनकी ऊर्जा बदलाव योजना के लिए 30,000 करोड़ रुपये का समर्थन देने की घोषणा की थी। बाद में इस राशि को घटाकर आधा यानी 15,000 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

- यह तेल-संकट के पूर्व के वर्षों की कमाई से कहीं अधिक
- तीनों कंपनियों ने एकल और एकीकृत आधार पर ऊंचा मुनाफा कमाया
- आईओसी ने 39,618 .84 करोड़ रुपए का एकल लाभ कमाया

बीपीसीएल ने 26673 करोड़ का लाभ कमाया

2021-22 में आईओसी का शुद्ध लाभ 24,184 करोड़ रुपये और 2020-21 में 21,836 करोड़ रुपये रहा था। बीपीसीएल ने वित्त वर्ष 2023-24 में 26,673.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो 2022-23 के 1,870.10 करोड़ रुपये के आंकड़े से कहीं अधिक है।

देश का 90 फीसदी बाजार तीनों कंपनियां नियंत्रित करती है

यह समर्थन इक्विटी निवेश या राइट्स इश्यू के जरिये दिया जाना था। हालांकि, अभी तक यह समर्थन दिया नहीं गया है। भारत के लगभग 90 प्रतिशत ईंधन बाजार को नियंत्रित करने वाली तीन कंपनियों ने 'स्वेच्छा से' पिछले दो वर्षों से पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

वर्ष 2022-23 में हुआ था तीनों कंपनियों को घाटा

कीमतों में बदलाव नहीं करने के चलते उत्पादन लागत अधिक होने की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। तीनों पेट्रोलियम कंपनियों को अप्रैल-सितंबर, 2022 के दौरान सामूहिक रूप से 21,201.18 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बालों की डलनेस हो या डैंड्रफ, होममेड हेयर स्पा से हर प्रॉब्लम होगी दूर

हर लड़की चाहती है कि उसके बाल लंबे, मजबूत और शाइनी हो। मगर पॉल्यूशन और गंदगी कि वजह से बाल खराब हो जाते है, जिसके लिए लड़कियां हेयर स्पा ट्रीटमेंट लेती हैं। यह बालों को सिल्की और सॉफ्ट तो बनाता है लेकिन इसके केमिकल युक्त प्रॉड्क्ट्स नुकसान पहुंचा कर बालों को रूखा कर देते हैं। ऐसे में आप घर पर ही आसानी से स्पा कर सकती हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि आपके बालों के लिए कौन-सा हेयर ट्रीटमेंट सही है और इसे कैसे किया जाए। इससे बाल चमकदार और मुलायम होने के साथ-साथ स्मूथ भी हो जाएंगे।

ड्राई बालों के लिए ऑलिव ऑयल स्पा
रूखे बालों के लिए पहले जैतून के तेल से मसाज करें। फिर इसमें अंडा मिलाकर स्टेप अनुसार हेयर मास्क लगाएं। फिर सल्फेट मुक्त शैंपू से बालों को अच्छी तरह धो लें।

रूखे बालों के लिए एलोवेरा स्पा
रीठा, आंवला, शिकाकाई और मेथी के दानों को रात भर एक चौथाई पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को तब तक उबालें जब तक यह आधा न रह जाए। अब इसमें एलोवेरा जेल और एग व्हाइट मिलाएं। बालों की जड़ों पर यह मास्क लगाएं और कुछ समय बाद सिर धो लें।

मजबूत बालों के लिए फ्रूट स्पा
पके हुए केले, एवोकाडो पल्प, शहद, पुदीने की पत्तियां नीम पेस्ट या प्याज का रस को मिलाकर स्मूथ पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अच्छी तरह स्कैलप पर लगाएं और 45 मिनट बाद सिर धो लें। यह न सिर्फ बालों झड़ने से रोकता है बल्कि इससे हेयर ग्रोथ भी तेजी से होती है।

हेयर स्पा के आसान स्टेप

स्टेप- 1 (Massage)
सबसे पहले जैतून या नारियल तेल से स्कैल्प की मसाज करें। मसाज उंगलियों के पोरों से सर्कुलर मोशन में करें। तकरीबन 10-15 मिनट के बाद सिर को रिलैक्स करने के लिए छोड़ दें।

स्टेप- 2 (Steaming)
स्टिमिंग के लिए थोड़ा-सा पानी गर्म करके उसमें टॉवेल भिगाकर निचोड़ लें। अब इस टॉवेल को तेल लगे बालों पर अच्छी तरह लपेट लें। इस क्रिया को भी 10 से 15 मिनट करें।

स्टेप- 3 (Washing)
तीसरा स्टेप है बालों को धोना। किसी भी माइल्ड शैम्पू से बालों को अच्छी तरह वॉश करें।

स्टेप- 4 (Conditioning)
शैम्पू करने के बाद बालों को अच्छी तरह कंडीशन करें। यदि होममेड कंडीशन है तो ज्यादा देर लगाएं। अगर आप मार्किट का कंडीशनर यूज कर रही हैं तो 3 मिनट बाद बालों को धो लें।

स्टेप- 5 (Hair Mask)
बालों के हिसाब से हेयर मास्क अप्लाई करें। आधे घंटे बाद माइल्ड शैम्पू से सिर को धो लें। इसके बाद जब बाल सूख जाएं तब हल्के हाथों से कंघी करें।

हेयर स्पा से मिलने वाले लाभ
➤बालों में चमक लाने के लिए किया जाता है हेयर स्पा।
➤डेंड्रफ की समस्या भी होती है खत्म।
➤झड़ते और टूटते बालों के लिए है अच्छा उपाय।
➤हेयर स्पा द्वारा बालों को मिलता है पोषण।
➤दोमुंहे बालों से छुटकारा पाने के लिए भी करते है हेयर स्पा।

बिना मेकअप के भी चमकेगा चेहरा, बड़े काम के हैं ये ब्यूटी टिप्स

पढ़ाई से लेकर कैरियर की बुलंदियां छूने तक, तो कभी रोजमर्रा के काम निपटाने के लिए घर से बाहर धूप में तो निकलना ही पड़ेगा। ऐसे में अच्छा-भला गोरा रंग जब काला पड़ने लगे तो किसी भी महिला में चिंता की लकीरें गहरी करने लगता है और वह उससे निजात पाने के लिए अक्सर फेयरनेस क्रीम का सहारा लेने लगती हैं ताकि किसी प्रकार से उनकी गोरी रंगत वापस लौट आए। अपनी रंगत को बरकरार रखने के लिए कुछ सावधानियां और घरेलू फेस पैक का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है, तभी आप अपने गोरे रंग को काला होने से रोक पाएंगी।

1. धूप में निकलने से पहले रोजाना अच्छी क्वॉलिटी की सनस्क्रीन क्रीम लगाना न भूलें। यह कम से कम 30 एस.पी.एफ का होना चाहिए।
2. 20 से 30 मिनट तक सनस्क्रीन लगाने के बाद ही धूप में निकलें। यदि आपका फील्ड वर्क है तो हर दो घंटे में या फिर पानी से चेहरा धोने के तुरंत बाद सनस्क्रीन चेहरे पर लगाएं। इससे राहत मिलेगी।
3. त्वचा को ढंक कर रखें। कॉटन के कपड़ों के अलावा कैप और स्कॉर्फ भी इस्तेमाल करें।
4. आंखों को अल्ट्रा वॉयलैट किरणों से बचाने के लिए सनग्लासेज इस्तेमाल करें।
5. सुबह चेहरा धोने के बाद एंटीऑक्सीडेंट्स क्रीम या जैल लगाएं। इससे त्वचा को जल्दी-जल्दी होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है।
6. रात को ऐसी क्रीम या जैल लगाएं जिसमें पेप्टाइड, अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड या रेटीनॉल हो। इससे त्वचा की बेकार हो चुकी ऊपरी परत आसानी से उतर जाती है।
7. सप्ताह में एक बार खुद ही त्वचा की बेकार हो चुकी ऊपरी परत को हटाना चाहिए। इसके लिए त्वचा को नुकसान न पहुंचाने वाले किसी कैमिकल्स या फ्रूट एंजाइम का प्रयोग कर सकती है।

घरेलू नुस्खे भी आजमाते रहें

1. दही में जौ का आटा मिलाकर इसे त्वचा के प्रभावित हिस्से पर लगाएं। लगभग 20 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो दें। इस मिश्रण को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए इसमें टमाटर का रस भी मिलाया जा सकता है।
2. आलू ब्लीचिंग के लिए अच्छा है। एक आलू को टुकड़ों में काटकर त्वचा के प्रभावित हिस्से पर 20-30 मिनट तक लगाए रखें।
3. स्किन का रंग सही करने में पुदीना चमत्कार करता है। ताजे पुदीने की पत्तियों के रस को 15-20 मिनट तक त्वचा पर लगा कर धो दें।
4. पांच बादामों को एक चम्मच ताजी क्रीम में मिलाकर इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदे डाल दें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर 15 मिनट तक लगाएं, फिर चेहरा धो लें।
5. इसके अलावा एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें ज्यादा खाएं। इनमें बेर, अनार, पपीता, तरबूज, टमाटर, नींबू, संतरा, सोयाबीन एवं मेवे आदि शामिल हैं। ये त्वचा को अल्ट्रा वायलैट किरणों से बचाते हैं।

फ्रोजन व डिब्बाबंद खाने से कैसे पाएं भरपूर पोषण?

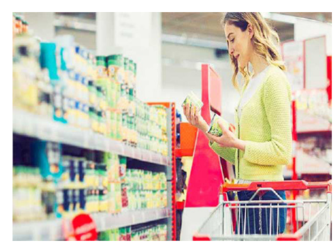

मॉडर्न समय में लोगों का लाइफस्टाइल काफी बदल चुका है। आज हर चीज पैक्ड फूड्स में बदलती जा रही है। लोग डिब्बा बंद खाने की तरफ ज्यादा रूख कर रहे है। इतना ही नहीं फल और सब्ज़ियां भी डिब्बो में पैक होकर आने लगे है लेकिन इन्हें खरीदते समय काफी बातों का ध्यान रखना पड़ता है, ताकि इनसे भरपूर पोषण मिल सकें। हाल ही में अमेरिका स्थित अकेडमी फॉर न्यूट्रीशिन एंड डायटेटिक्स की रिसर्च में सामने आया कि फल और सब्जियां ताजी हों या फ्रोजन और डिब्बाबंद, हर हाल में सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। बस इनको खरीदते वक्त आपको कुछ बातों को लेकर सावधानी बरतनी होगी।

डिब्बाबंद फल और सब्जियों का जूस– डिब्बाबंद फलों और सब्जियों से बने जूस खरीदते समय पैकेट पर कुछ जरूरी दिशा–निर्देशों को जरूर पढ़ें। अगर डिब्बाबंद जूस पर 'पैक्ड इन इट्स ओन जूस', 'ताजा जूस' और 'नो एडेड' शुगर लिखाहो तभी उनकी खरीददारी करें।

डिब्बाबंद फल और सबजियों में नमक की मात्रा – आहार में नमक कम चाहते है तो पैक्ड सब्जी या फल में चेक करे कि उसमें कहीं अतिरिक्त नमक तो नहीं मिलाया गया। डिब्बाबंद फलों और सब्जियों के स्वाद और पौष्टिकता भरपूर चाहते है तो इन्हें खोलने के बाद जल्द से जल्द इनका इस्तेमाल कर लें।

फ्रोजन सबजियों का लेबल जरूर करें चेक– ऐसे फल और सब्जियां खरीदें जिसमें वसा और कैलोरी की मात्रा कम हो। इसके लिए उसका लेबल ध्यान से पढ़ें।

सूखे फलों का सेवन कम मात्रा में करें– सूखे फलों में फाइबर की काफी मात्रा होती है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए और सी के साथ–साथ पोटेशियम भी प्रचुर होता है। मगर इनकी मात्रा जितनी कम लेंगे, उतना अच्छा होगा। दरअसल, इन फलों को सुरक्षित रखने के लिए चीनी मिलाई जाती है, इसलिए उन्हें खरीदने से पहले लेबल जरूर ध्यान से पढ़ लें।

स्नैक्स के तौर पर किया जाता है इस्तेमाल – इन फलों को स्नैक्स के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें आप सलाद, पेनकेक्स, रोटी या दलिए के साथ मिलाकर भी खा सकते है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बिग बॉस 16 फेम अब्दू रोजिक ने की सगाई

बिग बॉस 16 फेम और ताजिकिस्तानी सिंगर अब्दू रोजिक जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। बीते दिन उन्होंने एक वीडियो शेयर करके अपनी शादी की खुशखबरी फैंस संग शेयर की थी। उन्होंने अपने होने वाली दुल्हन के लिए जो हीरे की अंगूठी खरीदी थी, उसकी भी झलक दिखाई थी। वहीं अब अब्दू रोजिक ने सगाई कर ली है। अब्दू ने अमीरा नाम की एक अमीराती लड़की संग सगाई की। उन्होंने अपनी इंगेजमेंट सेरेमनी की तस्वीरें भी फैंस संग साझा की। तस्वीरों में अब्दू अपनी होने वाली पत्नी को डायमंड रिंग पहनाते नजर आ रहे हैं। हालांकि अब्दू ने तस्वीरों में अमीरा का चेहरा नहीं दिखाया है। उन्होंने कैप्शन में अपनी सगाई की तारीख 24 अप्रैल बताई है। फैंस और सेलेब्स अब्दू को अपने जीवन की नई शुरुआत के लिए बधाई दे रहे हैं। अब्दू रोजिक ने अपनी लव स्टोरी का भी खुलासा किया। अब्दू ने बताया कि वे पहली बार दुबई में एक भोजनालय में एक-दूसरे से मिले थे। उन्होंने उनकी खूबसूरत आंखों से प्यार होने का जिक्र किया और बताया कि कैसे उन्होंने तुरंत एक-दूसरे के नंबर साझा किए। अब्दु ने कहा कि अमीरा शारजाह में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई कर रही हैं और वे एक-दूसरे को पिछले चार महीनों से जानते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे आखिरकार प्यार और एक लाइफ पार्टनर मिली। मैं अमीरा से दुबई में एक भोजनालय में मिला और मुझे वह तुरंत पसंद आ गईं। वह सुंदर हैं, उनके बाल लंबे हैं और उनकी आंखें सुंदर हैं। मैंने अपना परिचय दिया और हमने नंबर एक्सचेंज किए। हम पिछले चार महीनों से एक-दूसरे को जानते हैं। बता दें कि अब्दू रोजिक और आमीरा 7 जुलाई को निकाह करने वाले हैं। अब्दू की होने वाली पत्नी शारजाह की है। अब्दू की उम्र जहां 20 साल है वहीं आमीरा 19 साल की हैं।

कभी हां-कभी ना करते दिख रहे हैं अनन्या और आदित्य

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि यहां एक और बात गौर करने वाली है कि कभी भी इन दोनों सितारों ने अपने रिश्ते को पब्लिकली कबूल किया ही नहीं था। सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी को उनके फैंस काफी पसंद करते हैं। वे अपने चहते सितारे को एक साथ देखना चाहते हैं। जब से मीडिया में अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर की ब्रेकअप की खबर आई है तब से उनके फैंस उनके लिए काफी उदास दिखाई दे रहे हैं। अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर के फैंस दोनों को एक साथ देखने के लिए बेताब रहते हैं।

जब भी इन दोनों सितारों की तस्वीरें एक साथ आती हैं इनके फैंस के बीच खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहता है। पिछले दिनों अनंत अंबानी के बेटे के प्री-वेडिंग कार्यक्रम में भी दोनों एक साथ नजर आए थे। दर्शक अब जानने को बेताब हैं कि आखिर इन दोनों के बीच चल क्या रहा है। ये साथ हैं या अलग हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर एक दूसरे साल 2022 से डेट कर रहे थे। हालांकि दोनों ने इस बात की आधिकारिक तौर पर कभी पुष्टि नहीं की, लेकिन कई मौकों पर दोनों एक साथ नजर जरूर आते थे। अनन्या पांडे जब पिछली बार 'कॉफी विद करण' में आई थीं तब उन्होंने इशारों-इशारों में इस बात को जरूर कबूल किया था। वहीं अनन्या पांडे नए साल से लेकर अपने जन्मदिन जैसे हर खास मौके को आदित्य रॉय कपूर के साथ सेलिब्रेट करती नजर आती थीं। लोगों को लगने लगा था कि दोनों अपने रिश्ते को लेकर काफी संजीदा हैं।

'इंटीमेट सीन करने पर साफ इनकार'

***भंसाली** की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' की हर कोई तारीफ कर रहा है। इस सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख फरदीन खान और शेखर सुमम जैसे कलाकार शामिल हैं। 'हीरामंडी' में सोनाक्षी सिन्हा ने दोहरी भूमिका निभाई है। सोनाक्षी सिन्हा ने रेहाना और फरीदान की भूमिका निभाई है, जो मां बेटी होती हैं। सोनाक्षी के इन किरदारों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। हीरामंडी की सक्सेस के बाद से ही सोनाक्षी सुर्खियों में हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा कि वो फिल्म में कभी भी किसिंग या इंटिमेट सीन नहीं करेंगी। सोनाक्षी ने फिल्मों में किसिंग सीन और इंटिमेट सीन को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं अपनी 35वीं फिल्म कर रही हूं और अभी भी इस बात पर टिकी हुई हूं कि मैं किसिंग सीन या इंटिमेट सीन नहीं करूंगी। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, अच्छे एक्टर को हमेशा काम मिलेगा। अपने पूरे करियर में मुझे नहीं लगता कि मैंने किसिंग सीन या इंटीमेट सीन की वजह से कोई चीज खोई हो। मैंने हमेशा अपने निर्देशक, फिल्म निर्माता और जिनके साथ मैं काम करती हूं, साफ-साफ कहा है कि 'यह कुछ ऐसा है जिसे करने में मैं सहज नहीं हूं' यह पूरी तरह आप पर निर्भर है। एक्ट्रेस ने कहा, यदि आपको फिर भी लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं फिल्म में अच्छा कर सकती हूं, तो फिर साथ में काम करते हैं। नहीं तो आप किसी और एक्टर के पास जाने के लिए फ्री हैं, जो ऐसे सीन्स करने में कंफर्टेबल हो। इसलिए, ऑप्शन हमेशा खुला है, आप किसी के साथ भी काम कर सकते हैं। संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए सोनाक्षी ने कहा, संजय सर ऐसे व्यक्ति हैं, जो आपको चुनौती देते हैं और आपको खुद का बेस्ट वर्जन बनने के लिए प्रेरित करते हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने मेरे साथ यही किया है।*